Patrika (Indore), 06th February 2022, Front Page- plus 01

मौलिक शोध में अव्वल हमारा संस्थान: 2020-21 में भी किए 12 पेटेंट के आवेदन

आइआइटी इंदौर ने अब तक हासिल किए 11 पेटेंट

कोविड की पहली दो लहर में और तेज हुई रिसर्च

अभिषेक वर्मा
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर शोध के क्षेत्र में लगातार कीर्तिमान गढ़ रहा है। संस्थान ने पेटेंट के मामले में भी बाजी मार ली है। हाल ही में भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने यहां के एक और पेटेंट को मान्यता दी है। संस्थान के अब तक 11 पेटेंट रजिस्टर्ड हो चुके हैं। पिछले शैक्षणिक सत्र में भी आईआईटी ने दो पेटेंट हासिल किए थे।आइआइटी (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी), इंदौर के डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा और विकास विजयवर्गीय के एक अविष्कार को पेटेंट प्रमाणित किया है। उनके हाई परफॉर्मेंस डबल गेट टनल फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर फॉर लो पॉवर एप्लीकेशन को यह पेटेंट जनवरी 2017 से 20 वर्ष की अवधि के लिए दिया गया। इसे मिलाकर अब तक 11 पेटेंट रजिस्टर्ड हो गए हैं जो शहर के किसी भी शैक्षणिक संस्थान की तुलना में अधिक हैं। इस शैक्षणिक सत्र में ही आइआइटी 12 और पेटेंट के लिए दावेदारी कर चुका है। संस्थान अपनी जनरेशन के बाकी आइआइटी की तुलना में भी आगे है।

कोविड में और बढ़ी रिसर्च

कोविड में जब शैक्षणिक संस्थान ऑनलाइन क्लासेस में व्यस्त थे उस दौरान आइआइटी में काफी रिसर्च हुई। पहली दो लहर में ही आइआइटी इंदौर ने पांच पेटेंट हासिल किए। ये पेटेंट सिस्टम एंड मैथड फॉर इलेक्ट्रिकल एनर्जी कन्जर्वेशन, एन अल्ट्रा लो पॉवर, डिजाइन स्पेस एक्सप्लोरेशन सिस्टम और मैथड देअर ऑफ यूजिंग ए बैक्टेरियल फॉरेजिंग ऑप्टिमाइजेशन मैकेनिज्म के लिए मिले।

145 पेटेंट के साथ IIT मुंबई अव्वल

सभी आइआइटी की बात करें तो आइआइटी मुंबई न सिर्फ रैंक बल्कि पेटेंट के मामले में भी अव्वल है। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में मुंबई ने पेटेंट के लिए 263 आवेदन किए। इस अवधि में 145 पेटेंट हासिल भी किए हैं। दूसरे नंबर पर आइआइटी मद्रास है। एक साल में मद्रास ने 186 आवेदन किए और 130 पेटेंट हासिल किए।